SREE SANKARACHARYA UNIVERSITY OF SANSKRIT
LIBRARY
KALADY-683 574

हर अंक विशेष

अंक जनवरी 2017

भवदीय / 5

भीतर नैन बिसाल

नामवर सिंह : आम आदमी का खुसरो / 12

शब्द निवेश

रमेश कुन्तल मेघ : अभिनव रास-लीला और आधुनिक मुनि वात्स्यायन का इन्तज़ार / 16

के.बी.एल.पांडेय : राग केदार का : सुर अग-जग के / 19

राकेश कुमार सिंह : समकालीन हिन्दी आलोचना का वैचारिक स्वरूप/ 23

क्षमा शर्मा : समकालीन स्त्री-विमर्श का चरित्र / 28

संवाद

सुप्रसिद्ध डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी से वेंकटेश कुमार की बातचीत/ 31

नया वर्ष : नयी धूप

अमिताभ खरे / 35

कथालोक :

जयनंदन : इन्द्रलोक की धरोहर / 37

कैलाश वनवासी : उसकी वापसी / 45

हुस्न तबस्सुम निहाँ : गुलमोहर ग़र तुम्हारा नाम होता! / 50

राजेश झरपुरे : जा घट प्रेम न संचरै... / 59

रीना मेनारिया : औरत, माँ और वह / 62

कविता इधर

गौतम चटर्जी / 69

द्वारिका प्रसाद चारूमित्र / 71

देवेन्द्र आर्य / 73

विनय विश्वास / 75

विजय गौड़ / 76

मिथलेश शरण चौबे / 77

नित्यानंद गायेन / 79

ब्रजेश कानूनगो / 80

अमरेन्द्र कुमार / 82

रमेश ऋतम्भर / 83

चन्द्रेश्वर पांडेय/ 84

ब्रजेश कृष्ण / 86

राजेश्वर वशिष्ठ / 87

संजय भिसे / 88

शाहनाज़ इमरानी/ 90

प्रति-स्मृति

प्रियदर्शन : बीसवीं सदी के एक सपने की मौत / 92

पार-अपार (विश्व कविता)

तुर्की कविता— अनुवादक सुरेश सलिल / 94

फिलीस्तीन कविता— अनुवादक प्रेमचन्द गाँधी / 96

लातीनी अमेरिकी कविता— अनुवादक अनिल गंगल / 98

रूसी कविता— अनुवादक विपिन चौधरी / 100

लैटवियन कविता— अनुवादक ब्रज श्रीवास्तव / 106

डायरी : वाक़िआ सख़्त है

अशोक भौमिक : जीवनपुरहाट जंक्शन-ग्यारह / 107

क़िस्सा मुख़्तसर

राजेश आहूजा : धूप-छाँव / 111

भूपेन्द्र सिंह गर्गवंशी : ऐ शहर-ए-लखनऊ तुझे मेरा सलाम /112

थाह अथाह

ऋचा : अन्धकार के विरुद्ध रोशनी की मुकम्मल ज़िद / 114

सदाशिव श्रोत्रिय : मीरां और उसके समाज की छानबीन / 117

अनूप सिंह : छुट्टी के दिन का कोरस / 120

इधर से देखो

अनंत विजय : जीवनी के बहाने जीवन्त कालखंड / 123

निन्दक नियरे राखिए

मुकेश कुमार : प्रभुजी, तुम स्वामी हम दासा/ 125

संग साथ

महेश्वर : बधिरों के सम्मान को समर्पित अध्यापक / 126

हमन दुनिया से यारी क्या

ज्ञान चतुर्वेदी : रिन्द के रिन्द रहे.../ 127

ख़शकलामियाँ / 129

चिट्ठी रसा/ 130

आयोजन/ 132

आवरण : लीलाधर मंडलोई, भीतरी रेखांकन : सीरज सक्सेना, साज-सज्जा : सीमा चौहान